Details			
Campus	**Ahmedabad**	**Submission Date**	20.8.25
Name of student		**Class**	**X**
Worksheet	**तोप**	**Student Roll No.**	
Subject	**Hindi**		

तोप

कविता का भावार्थ

कंपनी बाग़ के मुहाने पर
धर रखी गई है यह 1857 की तोप
इसकी होती है बड़ी सम्हाल, विरासत में मिले
कंपनी बाग़ की तरह
साल में चमकाई जाती है दो बार।

शब्दार्थ

मुहाने - प्रवेश द्वार पर
धर रखी - रखी गई
सम्हाल - देखभाल
विरासत - पूर्व पीढ़ियों से प्राप्त वस्तुएँ

प्रसंग -: प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी हिंदी पाठ्य पुस्तक ' स्पर्श भाग -2 ' से ली गई हैं। इसके कवि वीरेन डंगवाल हैं। इन पंक्तियों में कवि ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में इस्तेमाल की गई तोप का वर्णन किया है।

व्याख्या -: कवि कहते हैं कि यह जो 1857 की तोप आज कंपनी बाग़ के प्रवेश द्वार पर रखी गई है इसकी बहुत देखभाल की जाती है। जिस तरह यह कंपनी बाग़ हमें विरासत में अंग्रेजों से मिला है, उसी तरह यह तोप भी हमें अंग्रेजों से ही विरासत में मिली है। जिस तरह कंपनी बाग़ की साल में दो बार अच्छे से देखरेख की जाती है उसी तरह इस तोप को भी साल में दो बार चमकाया जाता है।

सुबह शाम आते हैं कंपनी बाग़ में बहुत से सैलानी
उन्हें बताती है यह तोप
कि मैं बड़ी जबर
उड़ा दिए थे मैंने
अच्छे - अच्छे सूरमाओं के धज्जें
अपने ज़माने में

शब्दार्थ

सैलानी - दर्शनीय स्थलों पर आने वाले यात्री
जबर - ताकतवर
सूरमाओं - वीर
धज्जें - चिथड़े - चिथड़े करना

व्याख्या -: कवि कहते हैं कि सुबह और शाम को बहुत सारे व्यक्ति कंपनी के बाग़ में घूमने के लिए आते हैं। तब यह तोप उन्हें अपने बारे में बताती है कि मैं अपने ज़माने में बहुत ताकतवर थी। मैंने अच्छे अच्छे वीरों के चिथड़े उड़ा दिए थे। अर्थात उस समय तोप का डर हर इंसान को था।

अब तो बहरहाल
छोटे बच्चों की सवारी से अगर यह फारिग हो
तो उसके ऊपर बैठकर
चिड़ियाँ ही अकसर करती है गपशप
कभी -कभी शैतानी में वे इसके भीतर भी घुस जाती हैं
खासकर गौरैयें
वे बताती हैं कि दरअसल कितनी भी बड़ी हो तोप
एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद।

शब्दार्थ

बहरहाल - बुरी स्थिति
फारिग - मुक्त, खाली

व्याख्या -: कवि कहते हैं कि अब तोप की स्थिति बहुत बुरी है। छोटे बच्चे इस पर बैठ कर घुड़सवारी का खेल खेलते हैं। जब बच्चे इस पर नहीं खेल रहे होते तब चिड़ियाँ इस पर बैठ कर आपस में बातचीत करने लग जाती हैं। कभी - कभी शरारती चिड़ियाँ खासकर गौरैयें तोप के अंदर घुस जाती हैं। वो छोटी सी चिड़िया ऐसा करके हमें बताना चाहती हैं कि कोई कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो एक ना एक दिन उसका भी अंत निश्चित होता है।

प्रश्न 1-विरासत में मिली चीजों की बड़ी सँभाल क्यों होती है? स्पष्ट कीजिए।

पूर्वजों की परम्पराओं और उत्तर -विरासत में मिली चीजों की बडी सँभाल दो कारणों से होती है।
पहला-यह हमें अपने गौरवशाली इतिहास की जानकारी देती हैं, उससे परिचित कराती हैं।
दूसरा-यह हमें सीख भी देती हैं। यह हमें बताती हैं कि जो गलती हमारे पूर्वजों ने की है, वह हम न दोहराएँ। जैसा कि 'तोप' कविता में कंपनी बाग में रखी तोप को दूसरे कारण की वजह से सँभालकर रखा गया है। यह तोप हमें सीख देती रहती है कि इसे देखकर हम हमेशा यह समझते रहें कि हमारे पूर्वजों से कब, क्या चूक हुई और उसके क्या गंभीर परिणाम भुगतने पड़े । यह हमें सचेत करती है कि हम उन गलतियों को न दोहराएँ।

प्रश्न 2 -इस कविता से आपको तोप के बारे में क्या जानकारी मिलती है?

उत्तर -इस कविता से हमें तोप के विषय में यह जानकारी मिलती है कि यह तोप ईस्ट इंडिया कंपनी ने बनाई थी। इसका प्रयोग उन्होंने 1857 की क्रांति के समय किया था। इस क्रांति में यह ब्रिटिश फौज के लिए एक शक्तिशाली हथियार थी,जिसकी सहायता से अंग्रेज़ों ने हमारे कई भारतीय वीरों के प्राण ले लिए थे। परन्तु आज यह तोप केवल देखने की वस्तु मात्र रह गई है। अब इसे कानपुर के कंपनी बाग में

सजावटी वस्तु की तरह रखा गया है। कभी वीरों की धज्जियाँ उड़ाने वाली इस तोप से आज कोई नहीं डरता। इस पर बच्चे घुड़सवारी करते हैं और चिड़ियाँ इस पर बैठकर गपशप करती हैं।

प्रश्न 3 कंपनी बाग में रखी तोप क्या सीख देती है?

उत्तर -कंपनी बाग में रखी तोप हमें अंग्रेजों के अत्याचारों और हमारे शहीदों के बलिदान की याद दिलाती है। यह हमें हमारे पूर्वजों की गलतियों से सीख लेने और सावधान रहने की सलाह देती है,ताकि ईस्ट इंडिया कंपनी जैसी कोई और कंपनी दोबारा हम पर राज न करे। इसी के साथ तोप यह सीख भी देती है कि चाहे कोई कितना भी अधिक शक्तिशाली क्यों न हो, परंतु यदि उसके इरादे नेक नहीं हैं तो उसका एक-न-एक दिन बुरा अंत अवश्य होता है। जैसा कि तोप कविता में बताया गया है कि तोप अपने समय में बहुत शक्तिशाली थी,परंतु उसका निर्माण गलत इरादे से किया गया था,इसलिए आज उससे छोटे-छोटे बच्चे और गौरैया भी नहीं डरती हैं।

प्रश्न 4 -कविता में तोप को दो बार चमकाने की बात कही गई है। ये दो अवसर कौन से होंगे?

उत्तर -भारत की स्वतंत्रता के प्रतीक दो दिन- 15 अगस्त अर्थात् स्वतंत्रता दिवस और 26 जनवरी अर्थात् गणतंत्र दिवस हैं। ये दोनों हमारे राष्ट्रीय पर्व कहे जाते हैं। इन्हीं दो अवसरों पर कंपनी बाग को सजाया जाता है और तोप को चमकाया जाता है। इन दोनों दिवसों पर हम अपने शहीदों को याद करते हैं तथा समूह में एकत्र होकर झंडा फहराते हैं ।

अतिरिक्त प्रश्न केवन पठन के लिए

(ख) निम्नलिखित के भाव स्पष्ट कीजिए -:

(1) अब तो बहरहाल
छोटे बच्चों की सवारी से अगर यह फारिग हो
तो उसके ऊपर बैठकर
चिड़ियाँ ही अकसर करती है गपशप

उत्तर -: इन पंक्तियों में कवि ने तोप की वर्तमान स्थिति का वर्णन किया है ,एक समय में जहाँ तोप ने सबको डरा कर रखा था वही आज बच्चे उस पर घुड़सवारी कर रहे हैं और चिड़ियाँ उस पर बैठ कर गपशप कर रही हैं।

(2) वे बताती हैं कि दरअसल कितनी भी बड़ी हो तोप
एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद।

उत्तर -:आज कम्पनी बाग़ में रखी तोप किसी का कुछ नई बिगाड़ सकती । छोटी छोटी चिड़ियें भी उस पर खेलती फुदकती रहती हैं । यह ये बात दर्शाता है कि कोई कितना भी शक्तिशाली और क्रूर क्यों ना, हो एक दिन उसे शांत होना ही पड़ता है।

(3) उड़ा दिए थे मैंने
अच्छे - अच्छे सूरमाओं के धज्जें

उत्तर -: इन पंक्तिओं में तोप अपनी प्रशंसा कर रही है की 1857 में उससे ज्यादा शक्तिशाली कोई नहीं था उसने कई वीरों को मारा था।

****